

## इस अंक में...

- 6 | प्रत्येक रात के बाद सवेरा अवश्य आता है
- 8 | समसामयिकी घटना संग्रह
- 10 | समसामयिकी संक्षिप्तकियाँ
- 19 | आर्थिक घटना संग्रह

- कारोबार वृद्धि के वातावरण की दृष्टि से भारत 34वें पायदान पर
- हीरो साइकिल्स ने किया फायरफॉक्स बाइक्स का अधिग्रहण
- वैश्विक नवाचार सूचकांक 2015 जारी
- बीएसई में विश्व की सर्वाधिक कम्पनियाँ सूचीबद्ध

## 23 राष्ट्रीय घटना संग्रह

- आंध्र प्रदेश के इब्राहिमपट्टनम में गोदावरी और कृष्णा औपचारिक रूप से जोड़ी गई
- भारत निर्वाचन आयोग ने 'नोटा' के लिए चिह्न जारी किया
- सर्वोच्च न्यायालय ने संथारा प्रथा से रोक हटाई
- दिल्ली सरकार ने पीड़ित मुआवजा योजना को मंजूरी दी

## 28 अन्तर्राष्ट्रीय घटना संग्रह



- नेपाल ने लोकतांत्रिक ढंग से बने पहले संविधान को अपनाया
- भारत और श्रीलंका में चार समझौतों पर बनी सहमति
- मेकोंग-गंगा सहयोग पर भारत और कम्बोडिया ने किया समझौता
- उत्तर व दक्षिण कोरिया एकीकरण के लिए सहमत हुए

## 32 खेल खिलाड़ी

- भारत ने श्रीलंका के खिलाफ तीन मैचों की क्रिकेट टेस्ट शृंखला जीती
- खेल मंत्रालय ने योग को खेल के रूप में मान्यता दी
- असाफा पॉवेल ने 100 मीटर प्रतिस्पर्धा में नया विश्व कीर्तिमान बनाया
- लुइस हैमिल्टन ने इटैलियन ग्रांड प्रिक्स 2015 फॉर्मूला-1 खिताब जीता

## 35 महत्वपूर्ण तथ्य संग्रह

### लेख

- 38 | अन्तरिक्ष विज्ञान लेख—पी.एस.एल.वी.-सी28 द्वारा पाँच ब्रिटिश उपग्रहों का सफलतापूर्वक प्रक्षेपण
- 39 | भौगोलिक लेख—नदियों को जोड़ने की परियोजना का शुभारम्भ विविध तथ्य
- 83 | इंटरनेट से जुड़े महत्वपूर्ण तथ्य
- 85 | बैंकिंग : एक दृष्टि में
- 86 | प्रथम पुरस्कृत तार्किक प्रतियोगिता
- 88 | तार्किक प्रतियोगिता क्रमांक-67 का परिणाम
- 89 | रोजगार अवसर

## हल प्रश्न-पत्र

- 40 | उत्तराखण्ड अध्यापक पात्रता परीक्षा, 2014 (प्रथम प्रश्न-पत्र : कक्षा I से V के लिए)
- 54 | रेलवे भर्ती सेल (कोलकाता) ग्रुप 'डी' परीक्षा, 2014
- 60 | उत्तराखण्ड समूह 'ग' परीक्षा, 2015
- 65 | उत्तर प्रदेश पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड कार्यालय सहायक-III (लेखा) परीक्षा, 2015
- 70 | उत्तर प्रदेश राजस्व लेखपाल भर्ती परीक्षा, 2015 (प्रथम पाली)
- 76 | आगामी आई.बी.पी.एस. द्वारा आयोजित बैंक लिपिकीय संवर्ग (प्रा.) परीक्षा, 2015 हेतु विशेष हल प्रश्न

सर्वाधिकार सुरक्षित, प्रकाशक की पूर्व लिखित अनुमति के इस मैगजीन का कोई भी भाग न तो पुनरुत्पादित किया जाएगा और न किसी भी रूप में, जैसे इलेक्ट्रॉनिक, मेकेनिकल, फोटोकॉपीइंग, रिकॉर्डिंग अथवा अन्य प्रकार स्टर किया जाएगा. हालांकि इस संस्करण में प्रकाशित सूचनाओं के सही होने का हरसम्भव प्रयास किया गया है, फिर भी न तो प्रकाशक व न अन्य कोई कर्मचारी किसी भी त्रुटि अथवा छूट के लिए उत्तरदायी होगा. अस्वीकृत रचनाओं को लेखकों को वापस भेजने के लिए उनके साथ स्वयं का पता लिखा हुआ लिफाफा मय उपयुक्त डाक टिकटों के प्राप्त होगा. रचना के देर से पहुँचने अथवा रास्ते में खो जाने की कोई जिम्मेदारी नहीं ली जाती. पत्रिका में लेखकों द्वारा प्रेषित बयानों, विचारधाराओं तथा प्रकाशित विज्ञापनों की कोई जिम्मेदारी 'सक्सेस मिस्टर' की नहीं है.

⇒ सम्पादक : महेन्द्र जैन

⇒ रजिस्टर्ड ऑफिस : 2/11-ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2

⇒ सम्पादकीय ऑफिस

1, स्टेट बैंक कॉलोनी, वन चेतना केन्द्र के सामने

आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा-282 005

फोन- 4053333, 2531101, 2530966

फैक्स- (0562) 4053330, 4031570

ई-मेल: सम्पादकीय: publisher@pdgroup.in

कस्टोमर केयर: care@pdgroup.in

⇒ दिल्ली ऑफिस

4845, अंसारी रोड, दरियागंज,

नई दिल्ली-110 002

फोन- 011-23251844/66

⇒ पटना ऑफिस

पीरमोहनी चौक, कदमकुआँ

पटना-800 003

फोन-0612-2673340

मो-09334137572

⇒ कोलकाता ऑफिस

28, चौधरी लेन, श्याम बाजार

कोलकाता-700 004

फोन- 033-25551510

मो- 07439359515

⇒ हैदराबाद ऑफिस

1-8-1/B, आर. आर. कॉम्प्लेक्स

बाग लिंगमपल्ली, हैदराबाद-500 044

फोन- 040-66753330

मो- 09391487283

⇒ हल्द्वानी ऑफिस

8-310/1, ए. के. हाउस

हीरानगर, हल्द्वानी,

जिला-नैनीताल- 263139 (उत्तराखण्ड)

मो- 07060421008

⇒ लखनऊ ऑफिस

B-33, ब्लॉक स्ववायर, कानपुर

टैक्सो स्टेण्ड लेन, मवईया,

लखनऊ- 226 004

फोन- 0522-4109080

मो- 09760181118

# प्रत्येक रात के बाद सवेरा अवश्य आता है

—साध्वी वैभवश्री 'आत्मा'

“मानव जीवन के लिए रात अंधकार और अवसाद का प्रतीक है, जबकि सवेरा विकास के नवीन रास्ते खुल जाने पर अवसाद समाप्त हो जाने का संकेत देता है. किसी भी व्यक्ति के जीवन में कभी भी अवसाद की स्थिति आ सकती है, लेकिन जिस प्रकार रात के बाद सवेरा अवश्यम्भावी है, उसी प्रकार अवसाद के बाद विकास और अच्छे दिन आना भी सुनिश्चित है.”

श्री विराट गुरुजी के अन्तस् से स्फुरित इन पंक्तियों में जीवन का एक गम्भीर रहस्य प्रकट हुआ है कि—

“जिन्दगी ज्योति है जगमग,  
चित्त में सद्भाव होना चाहिए ॥ 1 ॥  
चित्त में सद्भाव होना चाहिए ..... ॥ 2 ॥  
रात बीतेगी आएगी ही आहना  
यह नहीं सम्भव कि पाए राह ना  
माँग है मिलकर रहेगी  
भावना में धैर्य होना चाहिए .....  
जिन्दगी ज्योति है जगमग,  
चित्त में सद्भाव होना चाहिए ..... ॥”

अस्तित्व की यह विशेषता ही है कि यहाँ हर चीज युगल है. जोड़े में है. रात है तो दिन है. सर्दी है तो गर्मी है. सुख है तो दुःख है. अमावस है तो पूनम है. मिलन है तो वियोग है. जन्म है तो मृत्यु है. जीत है तो हार है. माँग है तो पूर्ति भी है. बस जिसके चित्त में सद्भाव है उसके लिए हर रात के बाद आहना अर्थात् सूर्य की प्रथम किरण रही हुई है.

ऐसा भला कब हुआ कि रात-ही-रात हो, दिन हो ही नहीं. जहाँ कहीं छह माह की रात्रियाँ होती हैं वहाँ भी दिन तो होते ही हैं. हमारे जीवन में रात का अर्थ क्या है? जब रास्ता दिखलाई न दे, जब जीवन में जिसे हम चाहते हैं, उसका हमें वियोग सहना पड़े, जब उम्मीदें बेसहारा हो जाएं. जब सुख का सूर्य अस्त हो चुका है. आशा व उम्मीद का सूर्य अस्त होने लगे तब भी आप स्वयं को यही कहना कि “मैं अपनी सोच को विकल क्यों बना दूँ” गर अंधेरा यानि निराशा न छापे तो उम्मीदों का महत्व भी कैसे समझ में आएगा. अकसर हमारी मानसिकता एकांगी सोच से प्रशिक्षित होती है. जैसे कि “हमें जो अच्छा लगता है, वो अच्छा नहीं है.” जो मुझे अच्छा लगता है वो मुझे मिले, उसमें ही मेरी खुशियाँ व सफलता निहित है, जबकि जीवन का सत्य इतना ही नहीं है. सम्भव है, जो हमें अच्छा,

रुचिकर व प्रिय मालूम पड़ता हो वो हमारे लिए अच्छा न हो. कई बार जहर मीठा होता है और बीमारी में दवाई कड़वी प्रतीत होती है. पथ्य-परहेज रखना बुरा मालूम पड़ता है, किन्तु हकीकत यह है कि बिना परहेज के बीमार स्वस्थ नहीं हो सकता है, जो प्रिय हो, वो खतरनाक भी हो सकता है जैसे मधुमेह के रोगी के लिए मिठाई व विद्यार्थी के लिए अनैतिक मनोरंजन. फिर भी न जाने क्यों हम एकांगी सोच, एकपक्षीय धारणाओं से मुक्ति नहीं पाना चाहते और इसी कारण इस जीवन में दुःख ना भी हो तब भी हमें दुःख प्रतीत होता है.